नंगी लड़की देखने की जिज्ञासा-1

“मैं जवान हो रहा था तो नंगी लड़की को देखने की इच्छा होती ही ना, मेरे पड़ोस की मेरी हमउम्र लड़की मुझसे पढ़ने आती थी तो एक दिन मुझे उसकी स्कर्ट के अन्दर बिना पैंटी नंगी चूत दिखी… …”

Story By: शरद सक्सेना (saxena1973)
Posted: Monday, May 11th, 2015
Categories: पड़ोसी
Online version: नंगी लड़की देखने की जिज्ञासा-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नंगी लड़की देखने की जिज्ञासा-1

नंगी बुर की रानियों और लण्ड के शैतानो, मैं शरद सक्सेना आपके सामने फिर से एक नई कहानी के साथ हाजिर हूँ।
लड़कियाँ अपने बुर में उँगली करके रस को चाटे और लड़के मुठ मारे।

यह कहानी थोड़ी पुरानी है, क्योंकि तब मैं किशोरावस्था का हूंगा। मेरे पड़ोस की एक लड़की थी जिसका नाम नीलम था। वो भी अपनी किशोरावस्था में होगी, थी गोरी एकदम। कोई खास नाक नक्शा नहीं था उसका और न ही कोई खास जिस्म था उसका। चूची भी उसकी छोटी-छोटी थी।

वो अक्सर करके मेरे घर आती थी और अपनी पढ़ाई से सम्बन्धित सवालों का हल मेरे से पूछती थी। मेरी नजर उसकी जवानी पर तब पड़ी जब वह पलथी मारने के लिए अपने पैर को मोड़ने लगी तभी मेरी नजर उसकी चूत पर पड़ी। उसने स्कर्ट पहनी थी, शायद गलती से उस दिन वो चड्डी पहनना भूल गई थी।

चूत पर हल्के-हल्के रोंये थे और चूत बिल्कुल लाल थी, साथ ही साथ उसके गाण्ड के भी दर्शन हो गये। उसी समय मेरी इच्छा उसके साथ मजे लेने की हुई, पर घर में काफी लोग होने की वजह से में कुछ नहीं कर पाया।
लेकिन कहते हैं न कि ऊपर वाले के घर देर है अंधेर नहीं।

नंगी लड़की देखने की जिज्ञासा बता दी

रविवार का दिन था और घर में सब लोग एक पार्टी में गये थे। उस दिन वह फिर कुछ गणित का सवाल लेकर मेरे पास आई।

मैंने बताने से इन्कार कर दिया तो वो मुझसे बार-बार रिक्वेस्ट करने लगी।
मैंने बदले में उससे सवाल बताने के फीस मांगी।
वह बोली- ठीक है मैं मम्मी से पैसे लकर आती हूँ।
मैंने कहा- फ़ीस तो तुम्हारे ही पास है।
वह बोली- नहीं, मेरे पास कोई पैसे नहीं हैं।
मैंने कहा- है, पर तुम देना नहीं चाहती हो।

'अच्छा तो तुम्हीं बताओ कि मेरे पास पैसे कहाँ से आये ?'

मैंने कहा- तुम बिना कुछ बोले और प्रश्न किये मेरी एक बात मान लो, तो मेरी फीस मुझे मिल जायेगी।

उसने मुझसे पूछा- क्या करना है।

मैंने कहा- मेरी एक अधूरी जिज्ञासा है, बस उस जिज्ञासा को शांत कर दो।
नीलम बोली- कैसी जिज्ञासा ?

'लेकिन एक वादा करो…'

उसने कहा- कैसा वादा ?
मैंने कहा- जो मैं तुमसे कहूँगा, वो तुम किसी से नहीं कहोगी।

'लो, मैं वादा कर रही हूँ, कि किसी से नहीं कहूँगी, अब तुम अपनी जिज्ञासा बोलो।'

'नीलम मैं तुम्हें…'
मेरे ग़ला सूख रहा था।

वो बोली- हाँ-हाँ मैं तुम्हें… ?

‘मैं तुम्हें बिना कपड़े के देखना चाहता हूँ।’
इतना कहकर मैंने अपनी आँखें बन्द कर ली। तभी मुझे अपने गालों पर एक चुम्बन का अहसास हुआ, मैंने झट से अपनी आँखें खोली।
तो उसने पूछा- मैं सच में अपने कपड़े उतारूँ ? क्या तुम मुझे पूरी नंगी देखना चाहते हो ?
मैंने अपनी सहमति दी तो वह बोली- ठीक है, मैं तुम्हारे सामने नंगी होऊँगी, पर मेरी भी एक शर्त है।

उस शर्त के बारे में जो वो कहने वाली थी और जिसे मैं जानता था कि उसकी क्या शर्त है, फिर भी मैंने पूछा, तो उसने अपनी नजरों को नीचे करती हुई बोली- तुम भी मेरे सामने नंगे होओगे। मैं भी तुमको नंगा देखकर अपनी जिज्ञासा शांत करूँगी।

मैंने भी अपने आपको उसके सामने नंगा होने के लिये हामी भरी और उसे पहले कपड़े उतारने के लिये बोला।
नीलम ने जब अपनी फ्राक उतारी तो फ्राक के नीचे उसने कोई पैंटी नहीं पहनी थी, मैंने नीलम से पूछा- नीलम तुम चड्डी नहीं पहनती हो क्या ?

नीलम बोली- मैं कच्छी पहनती तो हूँ, पर आज तुम्हारे लिये ही नहीं पहनी।

‘तो क्या तुम जानती थी कि मैं तुम्हें नंगी देखना चाहता हूँ ?’

वो बोली- हाँ… तभी तो जैसे ही तुम्हारे घर के लोग पार्टी में गये, मैं तुम्हारे पास सवाल पूछने के बहाने आ गई, इतना ही नहीं उस दिन भी मैंने कच्छी नहीं पहनी थी जब मैं तख्त पर पाल्थी मार कर बैठ रही थी और तुमने मेरी वो जगह देखी थी, जहाँ से शूशू की जाती है। और मैंने तुम्हारी नजर देख ली थी कि कहाँ पर है। मैं उस दिन का इंतजार करने लगी जब तुम घर पर अकेले हो। और आज मैं मौका पा गई। क्योंकि जिज्ञासा तुम्हारी नहीं मेरी थी किसी लड़के को अपने सामने बिल्कुल नंगा देखने की, इसलिए मैंने इतना सब कुछ

किया।

इतना कह कर उसने देर नहीं लगाई, अपने पूरे कपड़े उतार दिए और मेरे सामने मादरजात नंगी खड़ी हो गई।

कहानी जारी रहेगी।

saxena1973@yahoo.com

Other stories you may be interested in

बीवी, बहन और कमसिन साली मेरी चुदाई का संसार

आप सभी ने मेरी पिछली कहानी होली में चुदाई का दंगल पढ़ी होगी कि कैसे होली के इस दिन पर हम ताश खेलते हुए मैं अपनी हॉट, मॉडर्न ख्यालात वाली बहन की घमासान चुदाई करता हूं. उसके साथ में अपनी […]
Full Story >>>

खड़े लण्ड की अजीब दास्तां-2

मेरी मजेदार सेक्स कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि दिलिया के साथ झूले पर हुई घमासान चुदाई के बाद मेरे लंड की नसें दब गईं. मेरा लंड हर वक्त तना हुआ रहने लगा. लंड पर नील पड़ गए […]
Full Story >>>

चाची और उसकी बहन को चोदा

हाय ! मेरा नाम गौरव है। अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ने के बाद मैं आपको अपनी पहली कहानी बताने जा रहा हूं। चूंकि मेरी यह पहली कहानी है इसलिए कहानी को लिखते समय अगर मुझसे कोई गलती हो जाये कृपया […]
Full Story >>>

खड़े लण्ड की अजीब दास्ताँ-1

आदाब दोस्तो ! मैं आमिर एक बार फिर से आपके लिए अपनी गर्म कहानी लेकर आया हूं. इस कहानी को शुरू करने से पहले मैं आपको अपनी पिछली कहानी के बारे में संक्षिप्त जानकारी देना चाहूंगा ताकि आप इस कहानी को […]
Full Story >>>

शहरी लंड की प्यास गांव की भाभी ने बुझायी

दोस्तो नमस्कार ! मैं राज शर्मा चंडीगढ़ से ! एक बार फिर आप सभी के सामने अपनी एक नई कहानी को लेकर हाजिर हूं। आप सभी ने मेरी पिछली कहानियां पढ़ कर मुझे बहुत मेल व सुझाव दिए, उसके लिए आप सभी […]
Full Story >>>